Toppersnotes
Unleash the topper in you

REET

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा

Board of Secondary Education, Rajasthan

Level – II

(कला वर्ग)

शेष नवीनतम पाठ्यक्रम

SIERRA INNOVATIONS

भाषा–1 (हिन्दी)

REET Level-I

हटा	जुड़ा
शब्द ज्ञान, तत्सम, तद्भव, देशज विदेशी शब्द एकार्थी शब्द	वाक्यांश के लिए एक शब्द, शब्दार्थ शब्द शुद्धि विराम चिन्ह

REET Level-II

हटा	जुड़ा
कुछ भी नहीं हटा	वाक्यांश के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, विराम चिन्ह, राजस्थानी शब्दों के हिन्दी रूप

भाषा–2 (संस्कृत)

REET Level-I

हटा	जुड़ा
कुछ भी नहीं हटा	संख्याज्ञानम् समयज्ञानम्

REET Level-II

हटा	जुड़ा
कुछ भी नहीं हटा	संख्याज्ञानम् – समयज्ञानम् महेश्वरसूत्राणि प्रश्नाः अलंकारसम्बन्धिन् प्रश्नाः

अंग्रेजी भाषा

REET Level-I

हटा	जुड़ा
Phonetic Transcription Language Errors and Disorders	English Symbols Roll of Home Language, Multilingualism

REET Level-II

हटा	जुड़ा
Phonetic Transcription Language Errors and Disorders	English Symbols Roll of Home Language, Multilingualism

गणित

REET Level-I

हटा	जुड़ा
कुछ भी नहीं हटा	आंकड़ों का प्रबंधन

REET Level-II

गणित

हटा	जुड़ा
साझा	भिन्न
	समतलीय आकृतियाँ बहुभुज
	समतलीय आकृतियों का परिमाप
	प्रायिकता

पर्यावरण अध्ययन

REET Level-I

हटा	जुड़ा
खरीफ व रबी फसलों की जानकारी पदार्थ एवं ऊर्जा सम्पूर्ण इकाई को राजस्थान के नवीकरणीय तथा अनवीकरणीय संसाधन व इनके संरक्षण की अवधारणा मौसम व जलवायु जलचक्र	कृषि पद्धतियाँ, वन्यजीव राष्ट्रीय प्रतीक राजस्थान के जिले व पंचायती राज राजस्थान के गौरव, हस्तकलाएं, आभूषण विरासत (दुर्ग, महल, स्मारक), चित्रकला लोकोक्तियाँ, लोक देवता

जुड़ा
यातायात के संकेत
जल - जल के गुण, स्रोत प्रबंधन, राजस्थान में कलात्मक जल स्रोत,
पेयजल एवं सिंचाई स्रोत
हमारी पृथ्वी एवं अंतरिक्ष सौर परिवार, भारत के अंतरिक्ष यात्री
पर्वतारोहण- पर्वतारोहण में कठिनाइयाँ एवं काम आने वाले औजार,
भारत की प्रमुख महिला पर्वतारोही
पर्यावरणीय शिक्षाशास्त्र- सूचना एंव संचार प्रोद्योगिकी

विज्ञान

REET Level-II

हटा	जुड़ा
गति यदृच्छ गति, चाल	सजीव एवं निर्जीव-परिचय, अंतर व लक्षण
	भोजन के स्त्रोत
	पौधों के विभिन्न प्रकार एवं भाग
	यांत्रिकी- कार्य, वायु मण्डलीय दाब, घूर्णन गति
	उत्पलावन बल
	ताप एवं ऊष्मा-तापमापी
	प्रकाश एवं ध्वनि- गोलीय दर्पण से प्रतिबिम्ब बनना, प्रकाश का अपवर्तन, लैंस एवं लैंस से प्रतिबिम्ब का निर्माण

विज्ञान

जुड़ा
विद्युत एवं चुम्बकत्व- विद्युत धारा, विद्युत परिपथ, विद्युत धारा के उष्मीय, चुम्बकीय एवं रासायनिक प्रभाव, चुम्बक एवं चुम्बकत्व
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- प्लास्टिक एवं पर्यावरण
पदार्थ की संरचना- भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन
विज्ञान शिक्षाशास्त्र- प्राकृतिक संसाधन, पर्यावरण
प्रदूषण व नियंत्रण, जैव विविधता, अनुकूलन, कचरा प्रबंधन
कृषि प्रबंधन- कृषि पद्धतियाँ, राजस्थान में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें

Level-II (S.St.)

प्राचीन इतिहास

हटा	जुड़ा
भारतीय समाज- विशेषताएँ, परिवार, विवाह लैंगिक संवेदनशीलता, ग्रामीण जीवन व शहरीकरण	जैन व बौद्ध धर्म, महा जनपद काल
मौर्य तथा गुप्त साम्राज्य- बाहरी विश्व से भारत का सांस्कृतिक संबंध	वृहत्तर भारत

Level-II (S.St.)

मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास

हटा	जुड़ा
मध्यकालीन सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक दशा	भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन (1885-1947)
आर्थिक व सांस्कृतिक दशा	(पहले 1919-1947 तक था)

Level-II (S.St.)

राजस्थान का इतिहास, कला एवं संस्कृति

हटा	जुड़ा
राजस्थान में स्वतंत्रता आन्दोलन पर्यटन, विरासत का संरक्षण	प्रमुख राजवंशों का इतिहास 1857 की क्रांति में राजस्थान का योगदान, राजस्थान में प्रजामण्डल, जनजातीय व किसान आन्दोलन, राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व राजस्थान की कला व संस्कृति-स्मारक, चित्रकला, लोक नृत्य, लोक नाट्य, लोक देवता, लोक संत, लोक संगीत, संगीत वाद्ययंत्र, स्थापत्य कला, वेशभूषा, आभूषण, भाषाएं

Level-II (S.St.)

भारतीय संविधान

हटा	जुड़ा
धर्मनिरपेक्षता	भारतीय संविधान का निर्माण एवं विशेषताएँ, बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण, लोकतंत्र में निर्वाचन एवं मतदाता जागरूकता सरकारः गठन का कार्य-राजस्थान के विशेष संदर्भ में जिला प्रशासन व न्याय व्यवस्थान

Level-II (S.St.)

विश्व भूगोल

हटा	जुड़ा
कुछ नहीं हटा	जलवायु, अपवाह प्रणाली, झीलें, नदीघाटी परियोजनाएं नहरें, मृदा, वन, वन्यजीवन, पर्यटन स्थल

Level-II (S.St.)

राजस्थान का भूगोल

हटा	जुड़ा
कुछ नहीं हटा	जलवायु, अपवाह प्रणाली, झीलें, नदीघाटी परियोजनाऐं नहरें, मृदा, वन, वन्यजीवन, पर्यटन स्थल

Level-II (S.St.)

अर्थशास्त्र

हटा	जुड़ा
यह विषय पहली बार नया जोड़ा गया है।	बीमा एवं बैंकिंग प्रणाली– बीमा एवं बैंक के प्रकार, भारतीय रिजर्व बैंक एवं उसके कार्य, सहकारिता, उपभोक्ता जागरूकता

Level-II (S.St.)

शिक्षाशास्त्रीय मुद्दें

हटा	जुड़ा
कुछ नहीं हटा	सूचना एवं संचार प्रोद्यौगिकी, सीखने के प्रतिफल

Level-I &II (S.St.) (बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र)

हटा	जुड़ा
कुछ नहीं हटा	कुछ नहीं जुड़ा

विषय सूची

हिन्दी

1. वाक्यों के लिए एक शब्द 1
2. शब्दार्थ 6
3. शब्द शुद्धि 15
4. विराम चिन्ह 30
5. राजस्थानी शब्दों के हिन्दी रूप 33

अंग्रेजी

1. Roll of home language 35
2. Multilingualism 37

संस्कृत

1. सख्याज्ञानम् 41
2. समयज्ञानम् 46
3. महेश्वरसूत्राणि प्रश्ना:
4. अलंकार सम्बन्धि प्रश्ना:

भूगोल

1. अपवाह तंत्र 50
   - नदियाँ, परियोजनायें, झीलें
2. जलवायु 59

राजव्यवस्था

1. राज्यपाल 64

2. मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद 66
3. राज्यविधान मंडल 68
4. जिला प्रशासन 73
5. स्थानीय स्वशासन 77
6. राज्य लोक सेवा आयोग 84
7. राज्य मानवाधिकार आयोग 85
8. लोकायुक्त 86
9. राज्य निर्वाचन आयोग 87

भारतीय संविधान

1. भारतीय संविधान के स्त्रोत 89
2. भारतीय संविधान अनुसूचियाँ 89
3. भारतीय संविधान के भाग 90
4. सवंधिान की विशेषताएं 91
5. बच्चों से संबंधित अपराध उनके निवारण से संबंधित अधिनियम व कानून 92
6. बच्चों से संबंधित सवैंधानिक प्रावधान 96
7. निर्वाचन आयोग 100
8. राजस्थान उच्च न्यायालय 100

इतिहास

1. प्राचीन इतिहास 103
- बौद्ध धर्म
- जैन धर्म

2. मध्य काल 106
- मेवाड का इतिहास
- मारवाड का इतिहास

* अजमेर का इतिहास
* अलवर का इतिहास
* भरतपुर का इतिहास
* जैसलमेर का इतिहास

3. आधुनिक काल– 141
* प्रमुख प्रजामण्डल

विश्व भूगोल

* पृथ्वी की उत्पत्ति 147
* चक्रवात 149
* वायुदाब 149
* ग्रहण 149
* प्रतिचक्रवात 149
* जैव मण्डल 151

अर्थशास्त्र

* बेंक तथा बेंको के प्रकार 153

शिक्षा शास्त्रीय मुद्दे

* सूचना प्रोद्योगिकी 185

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अनुचित बात के लिए आग्रह- (दुराग्रह)
अण्डे से जन्म लेने वाला- (अण्डज)
अवसर के अनुसार बदल जाने वाला- (अवसरवादी)
अत्यंत सुन्दर स्त्री- (रूपसी)
आकाश को चूमने वाला- (गगनचुंबी)
आकाश में उडने वाला- (नभचर)
आलोचना करने वाला- (आलोचक)
आशा से अधिक- (आशातीत)
आगे होनेवाला- (भावी)
आँखों के सामने- (प्रत्यक्ष)
आँखों से परे- (परोक्ष)
आलोचना के योग्य - (आलोच्य)
अवश्य होनेवाला - (अवश्यम्भावी)
आदि से अन्त तक - (आद्योपान्त)
आवश्यकता से अधिक वर्षा - (अतिवृष्टि)
अन्य से सम्बन्ध न रखने वाला - (अनन्य)
अच्छा-बुरा समझने की शक्ति का अभाव - (अविवेक)
अध्ययन (पढना) का काम करनेवाला - (अध्येता)
आग से झुलसा हुआ - (अनलदग्ध)
धन से सम्बन्ध रखने वाला - (आर्थिक)
आदि से अन्त तक - (आद्योपान्त)
परदे के लिये रथ या पालकी को ढकनेवाला कपडा- (ओहार)
अपनी विवाहित पत्नी से उत्पन्न (पुत्र)- औरस (पुत्र)
अपने कर्तव्य का निर्णय न कर सकने वाला- (किंकर्तव्यविमूढ)
अधिक दिनों तक जीने वाला- (चिरंजीवी)
अन्न को पचाने वाली जठर (पेट) की अग्नि- (जठराग्नि)
आँवला, हर्र व बहेडा- (त्रिफला)
अभी-अभी जन्म लेने वाला- (नवजात)
अपने पति के प्रति अनन्य अनुराग रखने वाली- (पतिव्रता)
अपने पद से हटाया हुआ- (पदच्युत)
आय-व्यय, लेन-देन का लेखा करने वाला- (लेखाकार)
अगहन और पूस में पडने वाली ऋतु- (हेमन्त)
अनुवाद किया हुआ- (अनूदित)
आलस्य में जँभाई लेते हुए देह टूटना- (अँगडाई)
अति सूक्ष्म परिमाण- (अणिमा)
आज के दिन से पूर्व का काल- (अनद्यतनभूत)
अध्ययन किया हुआ- (अधीत)
अनिश्चित जीविका- (आकाशवृत्ति)
अनुसंधान की इच्छा- (अनुसंधित्सा)
आकाश से तारे का टूटना- (उपप्लव)
अगस्त्य की पत्नी- (लोपामुद्रा)
अंडों से निकली छोटी मछलियों का समूह- (पोताधान)
अधिक रोएँ वाला- (लोमश)
अमावस्या की रात- (कुहू)
इन्द्रियों की पहुँच से बाहर- (अतीन्द्रिय)
इंद्रियों पर किया जानेवाला वश- (इंद्रियानिग्रह)
इस लोक से सम्बन्धित- (ऐहिक)
इन्द्र का महल- वैजयन्त
ऊपर आने वाला श्वास- (उच्छ्वास)
ऊपर की ओर बढती हुई साँस- (उर्ध्वश्वास)
उपचार या ऊपरी दिखावे के रूप में होने वाला- (औपचारिक)
ऊपर लिखा गया- (उपरिलिखित)
उत्तर दिशा- (उदीची)
उच्च वर्ण के पुरुष के साथ निम्न वर्ण की स्त्री का विवाह- (अनुलोम विवाह)
एक ही समय में वर्तमान- (समसामयिक)
एक स्थान से दूसरे स्थान को हटाया हुआ- (स्थानान्तरित)
ऐसा व्रत, जो मरने पर ही समाप्त हो-(आमरणव्रत)
ऐसा ग्रहण जिसमें सूर्य या चन्द्र का पूरा बिम्ब ढँक जाय- (खग्रास)
एक व्यक्ति द्वारा चलायी जाने वाली शासन प्रणाली- (तानाशाही)
ऐतिहासिक युग के पूर्व का- (प्रागैतिहासिक)
ऐसी भूमि जो उपजाऊ नहीं हो- (ऊसर)
किसी पद का उम्मीदवार- (प्रत्याशी)
कीर्तिमान पुरुष- (यशस्वी
कम खर्च करने वाला- (मितव्ययी)
कठिनाई से समझने योग्य- (दुर्बोध)
किसी बात को बढा-चढाकर कहना- (अतिशयोक्ति)
कठिनता से प्राप्त होने वाला- (दुर्लभ)
क्रम के अनुसार- (यथाक्रम)
किसी कथा के अंतर्गत आने वाली दूसरी कथा- (अन्तःकथा)
किसी पक्ष का समर्थन करने वाला- (अधिवक्ता)
किसी सभा, संस्था का प्रधान- (अध्यक्ष)
किसी कार्य के लिए दी जाने वाली सहायता- (अनुदान)
किसी मत या प्रस्ताव का समर्थन करने की क्रिया- (अनुमोदन)
किसी व्यक्ति या सिद्धान्त का समर्थन करने वाला- (अनुयायी)
किसी वस्तु को प्राप्त करने की तीव्र इच्छा- (अभीप्सा)
किसी प्राणी को न मारना- (अहिंसा)
किसी पात्र आदि के अन्दर का स्थान, जिसमें कोई चीज आ सके-(आयतन)
किसी अवधि से संबंध रखने वाला- (आवधिक)
किसी देश के वे निवासी जो पहले से वहाँ रहते रहे हैं- (आदिवासी)
किसी चीज या बात की इच्छा रखनेवाला- (इच्छुक)
किन्हीं घटनाओं का कालक्रम से किया गया वृत- (इतिवृत)
किसी के बाद उसकी संपत्ति प्राप्त करने वाला- (उत्तराधिकारी)
कष्टों या काँटों से भरा हुआ- (कंटकाकीर्ण)
किसी विचारध्निर्णय को कार्यरूप देना- (कार्यान्वयन)
किसी के इर्द-गिर्द घेरा डालने की क्रिया- (घेराबन्दी)
करुण स्वर में चिल्लाना- (चीत्कार)
सावधान करने के लिए कही जाने वाली बात- (चेतावनी)
किसी भी बात को जानने की इच्छा- (जिज्ञासा)
काँटेदार झाडियों का समूह- (झाडझंखाड)

किसी ग्रंथ या रचना की टीका करनेवाला- (टीकाकार)
किसी भी पक्ष का समर्थन न करने वाला- (तटस्थ)
कुछ निश्चित लम्बाई का कपडा- (थान)
किसी के साथ सम्बन्ध न रखने वाला- (निःसंग)
किसी बात का गूढ़ रहस्य जानने वाला- (मर्मज्ञ)
किसी मत को मानने वाला- (मतानुयायी)
कुबेर की नगरी- (अलकापुरी)
किसी के दुःख से दुःखी होकर उसपर दया करना- (अनुकम्पा)
किसी श्रेष्ठ का मान या स्वागत- (अभिनन्दन)
किसी विशेष वस्तु की हार्दिक इच्छा- (अभिलाषा)
किसी के शरीर की रक्षा करनेवाला- (अंगरक्षक)
किसी को भय से बचाने का वचन देना- (अभयदान)
केवल फल खाकर रहनेवाला- (फलाहारी)
किसी कलाकार की कलापूर्ण रचना- (कलाकृति)
करने की इच्छा- (चिकीर्षा)
कुबेर का बगीचा- (चैत्ररथ)
कुबेर का पुत्र- (नलकूबर)
कुबेर का विमान- (पुष्पक)
कच्चे मांस की गंध- (विस्र)
कमल के समान गहरा लाल रंग- (शोण)
काला पीला मिला रंग- (कपिश)
केंचुए की स्त्री- (शिली)
कुएँ की जगत- (वीनाह)
केवल वर्षा पर निर्भर- (बारानी)
काला पानी की सजा पाया कैदी- (दामुल कैदी)
किसी काम में दखल देना- (हस्तक्षेप)
कुसंगति के कारण चरित्र पर दोष- (कलंक)
कुछ खास शर्तों द्वारा कोई कार्य कराने का समझौता- (संविदा)
खाने से बचा हुआ जूठा भोजन- (उच्छिष्ट)
खाने की इच्छा- (बुभुक्षा)
खून से रँगा हुआ- (रक्तरंजित)
खेलना का मैदान- (क्रीडास्थल)
गुरु के समीप रहनेवाला विद्यार्थी- (अन्तेवासी)
गंगा का पुत्र- (गांगेय)
घास छीलने वाला- (घसियारा)
घास खानेवाला- (तृणभोजी)
घृणा करने योग्य- (घृणास्पद)
घर के सबसे ऊपर के खंड की कोठरी- (अटारी)
घर के सामने का मंच- (आलिन्द)
घूम-फिरकर सौदा बेचने वाला- (फेरीवाला)
चार वेदों को जानने वाला- (चतुर्वेदी)
चार राहों वाला- (चौराहा)
चेतन स्वरूप की माया- (चिद्विलास)
चूहे फँसाने का पिंजडा- (चूहेदानी)
चौथे दिन आने वाला ज्वर- (चौथिया)
चारों ओर की सीमा- (चौहदी)
चारों ओर जल से घिरा हुआ भू-भाग- (टापू)
चोरी छिपे चुंगी शुल्क आदि दिये बिना माल लाकर बेचनेवाला- (तस्कर)
चौपायों के बाँधने का स्थान- (थान)
चिंता में डूबा हुआ- (चिंतित)
चुनाव में अपना मत देने की क्रिया- (मतदान)
छिपे वेश में रहना- (छद्मवेश)
छात्रों के रहने का स्थान- (छात्रावास)
छत में टाँगने का शीशे का कमल या गिलास, जिसमें मोमबत्तियाँ जलती हों- (फानूस)
छूत से फैलने वाला रोग- (संक्रामक)
छाती का घाव- (उरक्षत)
जो कभी नष्ट न हो- (अनश्वर)
जो उच्च कुल में उत्पन्न हुआ हो- (कुलीन)
जो क्षमा के योग्य हो- (क्षम्य)
जो कम बोलता हो- (मितभाषी)
जो अधिक बोलता हो- (वाचाल)
जो सब जगह व्याप्त हो- (सर्वव्यापक)
जो देखने योग्य हो- (दर्शनीय)
जो कुछ न करता हो-(अकर्मण्य)
जो पुत्र गोद लिया हो- (दत्तक)
जो मान-सम्मान के योग्य हो- (माननीय)
जो नष्ट न होने वाला हो- (अविनाशी)
जो परिचित न हो- (अपरिचित)
जो स्थिर रहे- (स्थावर)
जो वन में घूमता हो- (वनचर)
जो इस लोक से बाहर की बात हो- (अलौकिक)
जो धन का दुरुपयोग करता है- (अपव्ययी)
जो कानून के विरुद्ध हो- (अवैध)
जो कानून के अनुसार हो- (वैध)
जो पहले न पढा हो- (अपठित)
जो दो भाषाएँ जानता हो- (दुभाषिया)
जो धर्म का काम करे- (धर्मात्मा)
जो स्वयं पैदा हुआ हो- (स्वयंभू)
जो शरण में आया हो- (शरणागत)
जो बहुत समय कर ठहरे- (चिरस्थायी)
जो जन्म से अंधा हो- (जन्मांध)
जो सब जगह व्याप्त हो-(सर्वव्यापक)
जो स्त्री कविता लिखती है- (कवयित्री)
जो पुरुष कविता रचता है- (कवि)
जो शत्रु की हत्या करता है- (शत्रुघ्न)
जो विज्ञान जनता है- (वैज्ञानिक)
जो व्याकरण जानता है- (वैयाकरण)
जो लोक में संभव न हो- (अलौकिक)
जो मन को हर ले- (मनोहर)
जो कुछ नहीं जानता है- (अज्ञ)
जो भू के गर्भ (भीतर) का हाल जानता हो- (भूगर्भवेत्ता)
जो भू को धारण करता है- (भूधर)
जो स्त्री सूर्य भी न देख सके- (असूर्यम्पाश्या)
जो अत्यन्त कष्ट से निवारित किया जा सके- (दुर्निवार)

जो अश्व (घोडे) का आरोही (सवार) है- (अश्वारोही)
जो सरों में जनमता है- (सरसिज)
जो स्त्री के वशीभूत या उसके स्वभाव का है- (स्त्रैण)
जो राजगद्दी का अधिकारी हो- (युवराज)
जो मोक्ष चाहता हो- (मुमुक्षु)
जो नेत्रों से दिखाई न दे- (अगोचर)
जो पहले न देखा गया हो- (अदृष्टपूर्व)
जो किसी विशेष समय तक ही लागू हो- (अध्यादेश)
जो शोक करने योग्य नहीं है- (अशोच्य)
जो पहले कभी नहीं सुना गया- (अश्रुतपूर्व)
जो जन्म लेते ही गिर या मर गया हो- (आदण्डपात)
जो उद्धार करता है- (उद्धारक)
जो किसी नियम को न माने- (उच्छृंखल)
जो भूमि उपजाऊ हो- (उर्वरा)
जो दिन में एक बार भोजन करता है- (एकाहारी)
जो कान को कटु लगे- (कर्णकटु)
जो कटु बोलता है- (कटुभाषी)
जो कष्ट को सहन कर सके- (कष्टसहिष्णु)
जो काम से जी चुराता है- (कामचोर)
जो कठिनाइयों से पचता है- (गरिष्ठ)
जो जरायु (गर्भ की थैली) से जनमता है- (जरायुज)
जो तर्क के आधार पर सही सिद्ध हो- (तर्कसंगत)
जो तीन गुणों (सत्व, रज, व तम) से परे हो- (त्रिगुणातीत)
जो दर्शन-शास्त्र का ज्ञाता हो- (दार्शनिक)
जो मुश्किल से प्राप्त हो- (दुष्प्राप्य)
जो विलंब या टालमटोल से काम करे- (दीर्घसूत्री)
जो पृथ्वी से सम्बन्धित हो- (पार्थिव)
जो पिंड से जनमता है- (पिंडज)
जो उक्ति बार-बार कही जाय- (पुनरुक्ति)
जो प्रणाम करने योग्य हो- (प्रणम्य)
जो मुकदमे का प्रतिवाद करे- (प्रतिवादी)
जो पहरा देने वाला हो- (प्रहरी)
जो पूछने योग्य हो- (प्रष्टव्य)
जो प्रिय बोलता हो- (प्रियवादी)
जो दूसरे के अधीन हो- (पराधीन)
जो प्रशंसा के योग्य हो- (प्रशंसनीय)
जो अपने मातृभूमि छोड विदेश में रहता हो- (प्रवासी)
जो केवल फल खाकर निर्वाह करता हो- (फलाहारी)
जो बुद्धि द्वारा जाना जा सके- (बुद्धिजीवी)
जो एक स्थान पर टिक कर नहीं रहता- (यायावर)
जो युद्ध में स्थिर रहता है- (युधिष्ठिर)
जो दया के साथ (दयालु) है- (सदय)
जो सरलता से बोध्य (समझने योग्य) हो- (सुबोध)
जो सर्वशक्तिसंपन्न है- (सर्वशक्तिमान)
जो स्मरण करने योग्य है- (स्मरणीय)
जिसके हृदय में ममता नहीं है- (निर्मम)
जिसका पति जीवित हो- (सधवा)
जिसका वर्णन न किया जा सके- (वर्णनातीत)
जिसका पार न पाया जाए-(अपार)

जिसका कोई शत्रु ही न जन्मा हो- (अजातशत्रु)
जिसका कोई दूसरा उपाय न हो- (अनन्योपाय)
जिसका आदर न किया गया हो- (अनादृत)
जिसका वचन द्वारा वर्णन न किया जा सके- (अनिर्वचनीय)
जिसका उच्चारण न किया जा सके- (अनुच्चरित)
जिसका अनुभव किया गया हो- (अनुभूत)
जिसका मन उदार हो- (उदारमना)
जिसका मन महान हो- (महामना
जिसका हाथ बहुत तेज चलता हो- (क्षिप्रहस्त)
जिसकी पत्नी मर गई हो- (विधुर)
जिसकी बाँहें जानु (घुटने) तक पहुँचती हो- (आजानुबाहु)
जिसकी बाँहें अधिक लंबी हो- (प्रलंबबाहु)
जिसकी पत्नी साथ में न हो- (विपत्नीक)
जिसने इंद्रियों को जीत लिया हो- (जितेंद्रिय)
जिसने गुरु से दीक्षा ली हो- (दीक्षित)
जिसमें कोई दोष न हो- (निर्दोष)
जिस हँसी से अट्टालिका तक हिल जाय- (अट्टहास)
जिस पर विचार न किया गया हो- (अविचारित)
जिस पर आक्रमण न किया गया हो- (अनाक्रांत)
जिसे अधिकार दिया गया हो- (अधिकृत)
जिसे क्षमा न किया जा सके- (अक्षम्य)
जिसे दंड का भय न हो- (उदंड)
जिसे बहुत कम ज्ञान हो, थोडा जानने वाला- (अल्पज्ञ)
जिसे जीता न जा सके- (अजेय)
जिसे क्षमा न किया जा सके- (अक्षम्य)
जिसे या जिसका मूल नहीं है- (निर्मूल)
जिसे जानना चाहिए- (ज्ञातव्य)
जिसे पढा न जा सके- (अपाठ्य)
जिसे भेदा (तोडा) न जा सके- (अभेद्य)
जिसे आश्वासन दिया गया हो- (आश्वस्त)
जिसे वाह्य जगत का ज्ञान न हो- (कुपमण्डूक)
जिसे त्याग देना उचित हो- (त्याज्य)
जिसे क्रय किया गया हो- (क्रीत)
जिसे भेदना या तोडना कठिन हो- (दुर्भेद्य)
जिसे देश से निकाला गया हो- (निर्वासित)
जिसे कोई भ्रम या सन्देह न हो- (निर्भ्रान्त)
जिसे कोई आकांक्षा न हो- (निःस्पृह)
जहाँ पहुँचा न जा सके- (अगम्य)
जहाँ लोगों का मिलन हो- (सम्मेलन)
जानने की इच्छा रखने वाला- (जिज्ञासु)
जहाँ नदियों का मिलन हो- (संगम)
जन्म भर- (आजन्म)
जहाँ जाना संभव न हो- (अगम)
जहाँ तक सध सके- (यथासाध्य)
जहाँ खाना मुफ्त मिलता है- (सदाव्रत)
जहाँ गमन (जाया) न किया जा सके- (अगम्य)
जहाँ तक हो सके- (यथासंभव)
जहाँ तक सध सके- (यथासाध्य)
जान से मारने की इच्छा- (जिघांसा)

जीतने की इच्छा- (जिगीषा)
जमी हुई गाढी चीज की मोटी तह- (थक्का)
जल में लगने वाली आग- (बडवाग्नि)
जिनकी ग्रीवा (गर्दन) सुन्दर हो- (सुग्रीव)
जुआ खेलने का स्थान- (फड)
जनता में प्रचलित सुनी-सुनाई बात- (किंवदंती)
झूठा मुकदमा- (अभ्याख्यान)
तप करने वाला- (तपस्वी)
तीनों लोकों का स्वामी- (त्रिलोकी)
तीन कालों की बात जानने वाला- (त्रिकालज्ञ)
तीन युगों में होने वाला- (त्रियुगी)
तीन नदियों का संगम- (त्रिवेणी)
तैरने की इच्छा- (तितीर्षा)
तर्क के द्वारा जो माना गया हो- (तर्कसंगत)
तमो गुण का- (तामसिक)
तीन प्रहरों वाली रात- (त्रियामा)
तिनकों से बना घर- (उटज)
तट का जो भाग जल के भीतर हो- (अन्तरीप)
दूसरों की बातों में दखल देना- (हस्तक्षेप)
दूसरों के दोष को खोजने वाला- (छिद्रान्वेसी)
दूसरे के पीछे चलने वाला- (अनुचर)
दुखांत नाटक- (त्रासदी)
दर्द से भरा हुआ- (दर्दनाक)
दाव (जंगल) का अनल (आग)- (दावानल)
दूसरों के गुणों में दोष ढूँढ़ने की वृति का न होना- (अनसूया)
दोपहर के बाद का समय- (अपराह)
द्वार या आँगन के फर्श पर रंगों से चित्र बनाने या चौक पूरने की कला- (अल्पना)
देश में विदेश से माल आने की क्रिया- (आयात)
दूसरों के दोषों को खोजना- (छिद्रान्वेषण)
दूसरों के दोषों को ढूँढ़ने वाला- (छिद्रान्वेषी)
दिन रात ठाढे (खडे) रहने वाले साधु- (ठाढेश्वरी)
दो बार जन्म लेने वाला- (द्विज)
देने की इच्छा- (दित्सा)
देवताओं पर चढाने हेतु बनाया गया दही, घी, जल, चीनी, और शहद का मिश्रण- (मधुपर्क)
देह का दाहिना भाग- (अपसव्य)
दो दिशाओं के बीच की दिशा- (उपदिशा)
दूर से मन को आकर्षित करनेवाली गंध- (निर्हारी)
दुःख, भय आदि के कारण उत्पन्न ध्वनि- (काकु)
द्वीप में जनमा- (द्वैपायन)
दक्षिण दिशा- (अवाची)
दो या तीन बार कहना- (आम्रेडित)
धरती और आकाश के बीच का स्थान- (अंतरिक्ष)
ध्यान करने योग्य या लक्ष्य- (ध्येय)
नापाक इरादे से की जाने वाली मन्त्रणा या साजिश- (दुरभिसन्धि)
नाक से रक्त बहने का रोग- (नकसीर)
नख से शिखा तक के सब अंग- (नखशिख)
नया उदित होने वाला- (नवोदित)
नदी से सींचा जानेवाला प्रदेश- (नदीमातृक)
नए युग या प्रवृत्ति का निर्माण करने वाला- (युगनिर्माता)
नए युग या प्रवृत्ति का प्रवर्तन (लागू करने) वाला- (युगप्रवर्तक)
न बहुत शीत (ठंडा) न बहुत उष्ण (गर्म)- (समशीतोष्ण)
नगर का रहनेवाला- (नागरिक, नागर)
नया (तुरंत का) जनमा हुआ- (नवजात)
निशा में विचरण करनेवाला- (निशाचर)
निन्दा करने योग्य- (निन्दनीय)
न्याय करने वाला- (न्यायाधीश)
नकल करने योग्य- (अनुकरणीय)
न कहने योग्य वचन- (अवाच्य)
नाटक में बडी बहन- (अत्तिका)
निंदा न किया हुआ- (अगर्हित)
नई योजना का सर्वप्रथम काम में लाने का उत्सव- (उद्घाटन)
नाटक का आदरणीय पात्र- (मारिष)
टाइप करने की कला- (टंकण)
ठीक अपने क्रम से आया हुआ- (क्रमागत)
ठकठक करके बर्तन बनानेवाला- (ठठेरा)
डाका मारनेवाला- (डकैत)
डाका मारने का काम- (डकैती)
पंद्रह दिन में एक बार होने वाला- (पाक्षिक)
पुत्र की वधू- (पुत्रवधू)
पुत्र का पुत्र- (पौत्र)
पूजने योग्य- (पूजनीय, पूज्य)
पढने योग्य- (पठनीय)
पूछने योग्य- (प्रष्टव्य)
पर्ण (पत्ते) की बनी हुई कुटी- (पर्णकुटी)
प्रकृति सम्बन्धी- (प्राकृतिक)
पंक्ति में सबसे आगे खडा होने वाला- (अग्रसर)
परम्परा से चली आई हुई बात, उक्ति या कला- (अनुश्रुति)
पदार्थ का सबसे छोटा इन्द्रिय-ग्राह्य विभाग या मात्रा- (अणु)
पूरब दिशा- (प्राची)
पश्चिम दिशा- (प्रतीची)
पूरब और उत्तर के बीच की दिशा- (ईशान)
पर्वत के पास की भूमि- (उपत्यका)
पिता की हत्या करनेवाला- (पितृहंता)
पिता की पिता- (पितामह)
प्राण देनेवाली औषधि- (प्राणदा)
प्रिय बोलनेवाली स्त्री- (प्रियंवदा)
पिता से प्राप्त की हुई (सम्पत्ति)- (पैतृक)
पूर्णिमा की रात- (राका)
पक्षियों का कलरव- (वाशित)
पानी से उठा हुआ किनारा- (पुलिन)
पीसे हुए चावल की मिठाई- (अँदरसा)
प्रसूता को दिया जानेवाला भोजन- (अछवानी)
पेट या जठर की आग- (वडवानाल)
प्राणों पर संकट लाने वाला- (सांघातिक)

फेंककर चलाया जाने वाला हथियार- (अस्त्र)
बच्चों के लिए काम की वस्तु- (बालोपयोगी)
बिलकुल बरबाद हो गया हो- (ध्वस्त)
बिना अंकुश का- (निरंकुश)
बिना पलक गिराये हुए- (अनिमेष)
बेलों आदि से घिरा हुआ सुरम्य स्थान- (कुंज)
बरसात के चार महीने- (चतुर्मास)
बहुत चंचल, दुष्ट और अपनी प्रशंसा करने वाला नायक- (धीरोद्धत)
बिना तार की वीणा- (कोलंबक)
बिना विचार किए विश्वास करना- (अंधविश्वास)
बार-बार बोलना- (अनुलाप)
बेरों के जंगल में जनमा- (बादरायण)
बच्चे को पहले-पहल अन्न खिलाना- (अन्नप्राशन)
बिजली की तरह कान्ति (चमक) वाला-(विद्युत्प्रभ)
भली प्रकार से सीखा हुआ- (अभ्यस्त)
भलाई चाहने वाला- (हितैषी)
भौंहों के बीच का ऊपरी भाग- (त्रिकुटी)
भारतवर्ष का उत्तरी भाग- (आर्यावर्त)
भूख से व्याकुल- (क्षुधातुर)
मछली की तरह आँखों वाली- (मीनाक्षी)
मयूर की तरह आँखों वाली- (मयूराक्षी)
मन की वृत्ति (अवस्था)- (मनोवृत्ति)
मेघ की तरह नाद करनेवाला- (मेघनाद)
मछली पकड़ने या बेचने वाली जाति विशेष- (धीवर)
मोहजनित प्रेम- (आसक्ति)
मंत्र-द्वारा देवता को बुलाना- (आवाहन)
मध्य रात्रि का समय- (निशीथ)
मनोहर गन्ध- (परिमल)
मुख को सुंगधित करनेवाला पान- (मुखवासन)
मछली रखने का पात्र- (कुवेणी)
मछली मारने का काँटा- (वडिश)
मानसिक भाव छिपाना- (अवहित्था)
मर्यादा का उल्लंघन करके किया हुआ- (अतिकृत)
यात्रियों के लिए धर्मार्थ बना हुआ घर- (धर्मशाला)
रात और सन्ध्या के बीच की वेला- (गोधूलि)
राजनीतिज्ञों एवं राजदूतों की कला- (कूटनीति)
रात को दिखाई न देनेवाला रोग- (रतौंधी)
राजा या राज्य के प्रति किया जाने वाला विद्रोह- (राजद्रोह)
लौटकर आया हुआ- (प्रत्यागत)
लाभ की इच्छा- (लिप्सा)
विधानमंडल द्वारा पारित या स्वीकृत नियम- (अधिनियम)
वह पत्र, जिसमें किसी को कोई काम करने का अधिकार दिया जाय- (अधिपत्र)
वर्षा का अभाव- (अनावृष्टि)
वह कवि जो तत्क्षण कविता कर सके- (आशुकवि)
वह व्यक्ति जो हाथ उठाए हो- (उर्ध्वबाहु)
वह बात जो जनसाधारण में चलती आ रही है- (किंवदन्ती)
वात, पित्त व कफ- (त्रिदोष)
विवाह के पश्चात वधू का ससुराल में दूसरी बार आना- (द्विरागमन)
वह स्त्री जिसके पति ने त्याग (छोड) दिया हो- (परित्यक्ता)
वह शासन प्रणाली जिसमें जन साधारण का शासन हो- (प्रत्युत्पन्नमति)
वह काव्य जिसका अभिनय किया जाय- (रूपक)
विष्णु का शंख- (पाञ्चजन्य)
विष्णु का चक्र- (सुदर्शन)
विष्णु की गदा- (कौमोदकी)
विष्णु की तलवार- (नन्दक)
विष्णु की मणि- (कौस्तुभ)
विष्णु का धनुष- (शार्ंग)
विष्णु का सारथि- (दारुक)
विष्णु का छोटा भाई- (गद)
वृद्धावस्था से घिरा हुआ- (जराक्रान्त)
वर्षा के जल से पालित- (देवमातृक)
वर्षा सहित तेज हवा- (झंझावात)
वह गणित जिसमें संख्याओं का प्रयोग हो- (अंकगणित)
विपत्ति के समय विधान करने का धर्म- (आपद्धर्म)
सौतिली माँ- (विमाता)
साहित्य से सम्बन्ध रखने वाला- (साहित्यिक)
समान उदर से जन्म लेनेवाला- (सहोदर)
संसार में सबका प्रिय- (लोकप्रिय)
सरकार द्वारा दूसरे देश की तुलना में अपने देश की मुद्रा का मूल्य कम कर देना- (अवमूल्यन)
सर्वप्रथम मत को प्रवर्तित करने वाला- (आदिप्रवर्तक)
सूर्य जिस पर्वत के पीछे निकलता है- (उदयाचल)
सूर्योदय से पहले का समय- (उषाकाल)
सिक्के ढालने का कारखाना- (टकसाल)
सत्व, रज व तम- (त्रिगुण)
सिर पर धारण करने योग्य- (शिरोधार्य)
शयन करने की इच्छा- (सुषुप्सा)
स्वप्न में बकझक करना- (उचावा)
सीपी, बाँसी, सुकरी, करी, धरी और नरसल से बनी माला- (बैजयन्तीमाला)
सफेदी लिए हुए लाल रंग- (पाटल)
श्रद्धा से जल पीना- (आचमन)
सोना, चाँदी पर किया गया रंगीन काम- (मीनाकारी)
हाथी को हाँकने का लोहे का हुक- (अंकुश)
हाथ से लिखा हुआ- (हस्तलिखित)
हाथ की लिखी पुस्तक या मसौदा- (पांडुलिपि)
होठों पर चढीपान की लाली- (अधरज)
क्षण भर में नष्ट होने वाला- (क्षणभंगुर)
क्षुधा से आतुर- (क्षुधातुर)
ऋषियों के रहने का स्थान- (आश्रम)
ऋण के रूप में आर्थिक सहायता-(तकावी)
ज्ञान देने वाली- (ज्ञानदा)
ज्ञान देनेवाला- (ज्ञातव्य)

शब्द युग्म

कुछ ऐसे शब्द जो उच्चारण एवं लेखन में काफी समानता लिये हुये होते हैं । किन्तु थोड़ी सी भिन्नता से उनके अर्थ नितान्त अलग – अलग होते हैं । शब्द युग्म कहलाते हैं ।

जैसेः– अंत और अंत्य

अंत का अर्थ समाप्ति और अंत्य का अर्थ नीचे का

अमल और अम्ल

अमल का अर्थ स्वच्छ और अम्ल का अर्थ खटास

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
अंस	कंधा	अंश	हिस्सा
अँगना	घर का आँगन	अंगना	स्त्री
अन्न	अनाज	अन्य	दूसरा
अनिल	हवा	अनल	आग
अम्बु	जल	अम्ब	माता, आम
अथक	बिना थके हुए	अकथ	जो कहा न जाय
अध्ययन	पढ़ना	अध्यापन	पढ़ाना
अधम	नीच	अधर्म	पाप
अली	सखी	अलि	भौंरा
अन्त	समाप्ति	अन्त्य	नीच, अन्तिम
अम्बुज	कमल	अम्बुधि	सागर
असन	भोजन	आसन	बैठने की वस्तु
अणु	कण	अनु	एक उपसर्ग, पीछे
अभिराम	सुन्दर	अविराम	लगातार, निरन्तर
अपेक्षा	इच्छा, आवश्यकता, तुलना में	उपेक्षा	निरादर
अवलम्ब	सहारा	अविलम्ब	शीघ्र
अतुल	जिसकी तुलना न हो सके	अतल	तलहीन
अचर	न चलनेवाला	अनुचर	दास, नौकर
अशक्त	असमर्थ, शक्तिहीन	असक्त	विरक्त
अगम	दुर्लभ, अगम्य	आगम	प्राप्ति, शास्त्र
अभय	निर्भय	उभय	दोनों
अब्ज	कमल	अब्द	बादल, वर्ष
अरि	शत्रु	अरी	सम्बोधन (स्त्री के लिए)
अभिज्ञ	जाननेवाला	अनभिज्ञ	अनजान
अक्ष	धुरी	यक्ष	एक देवयोनि
अवधि	काल, समय	अवधी	अवध देश की भाषा
अभिहित	कहा हुआ	अविहित	अनुचित
अयश	अपकीर्त्ति	अयस	लोहा
असित	काला	अशित	भोथा
आकर	खान	आकार	रूप
आस्तिक	ईश्वरवादी	आस्तीक	एक मुनि
आर्ति	दुःख	आर्त्त	चीख

अन्यान्य	दूसरा-दूसरा	अन्योन्य	परस्पर
अभ्याश	पास	अभ्यास	रियाज/आदत
आवास	रहने का स्थान	आभास	झलक, संकेत
आकर	खान	आकार	रूप, सूरत
आदि	आरम्भ, इत्यादि	आदी	अभ्यस्त, अदरक
आरति	विरक्ति, दुःख	आरती	धूप-दीप दिखाना
आभरण	गहना	आमरण	मरण तक
आयत	समकोण चतुर्भुज	आयात	बाहर से आना
आर्त	दुःखी	आर्द्र	गीला
इत्र	सुगंध	इतर	दूसरा
इति	समाप्ति	ईति	फसल की बाधा
इन्दु	चन्द्रमा	इन्दुर	चूहा
इड़ा	पृथ्वी/नाड़ी	ईड़ा	स्तुति
उपकार	भलाई	अपकार	बुराई
उद्धत	उद्दण्ड	उद्दत	तैयार
उपरक्त	भोग विलास में लीन	उपरत	विरक्त
उपाधि	पद/ख़िताब	उपाधी	उपद्रव
उपयुक्त	ठीक	उपर्युक्त	ऊपर कहा हुआ
ऋत	सत्य	ऋतु	मौसम
एतवार	रविवार	ऐतवार	विश्वास
कुल	वंश, सब	कूल	किनारा
कंगाल	भिखारी	कंकाल	ठठरी
कर्म	काम	क्रम	सिलसिला
कृपण	कंजूस	कृपाण	कटार
कर	हाथ	कारा	जेल
कपि	बंदर	कपी	घिरनी
किला	गढ़	कीला	खूँटा, गड़ा हुआ
कृति	रचना	कृती	निपुण, पुण्यात्मा
कृत्ति	मृगचर्म	कीर्ति	यश
कृत	किया हुआ	क्रीत	खरीदा हुआ
क्रान्ति	उलटफेर	क्लान्ति	थकावट
कान्ति	चमक, चाँदनी		
कली	अधखिला फूल	कलि	कलियुग
करण	एक कारक, इन्द्रियाँ	कर्ण	कान, एक नाम
कुण्डल	कान का एक आभूषण	कुन्तल	सिर के बाल
कपीश	हनुमान, सुग्रीव	कपिश	मटमैला
कूट	पहाड़ की चोटी, दफ्ती	कुट	किला, घर
करकट	कूड़ा	कर्कट	केंकड़ा
कटिबद्ध	तैयार, कमर बाँधे	कटिबन्ध	कमरबन्द, करधनी
कृशानु	आग	कृषाण	किसान
कटीली	तीक्ष्ण, धारदार	कँटीली	काँटेदार
कोष	खजाना	कोश	शब्द-संग्रह (डिक्शनरी)
कदन	हिंसा	कदन्न	खराब अन्न
कुच	स्तन	कूच	प्रस्थान
काश	शायद/एक घास	कास	खाँसी
कलिल	मिश्रित	क़लील	थोड़ा
कीश	बन्दर	कीस	गर्भ का थैला

कुटी	झोपड़ी	कूटी	दुती, जालसाज
कोर	किनारा	कौर	ग्रास
खड़ा	बैठा का विलोम	खरा	शुद्ध
खादि	खाद्य, कवच	खादी	ख़द्दर, कटीला
कांत	पति/चन्द्रमा	कांति	चमक
करीश	गजराज	करीष	सूखा गोबर
कृत्तिका	एक नक्षत्र	कृत्यका	भयंकर कार्य करनेवाली देवी
कुजन	बुरा आदमी	कूजन	कलरव
कुनबा	परिवार	कुनवा	खरीदनेवाला
कोड़ा	चाबुक	कोरा	नया
केशर	कुंकुम	केसर	सिंह की गर्दन के बाल
खोआ	दूध का बना ठोस पदार्थ	खोया	भूल गया, खो गया
खल	दुष्ट	खलु	ही तो, निश्चय ही
गण	समूह	गण्य	गिनने योग्य
गुड़	शक्कर	गुड़	गम्भीर
ग्रह	सूर्य, चन्द्र आदि	गृह	घर
गिरी	गिरना	गिरि	पर्वत
गज	हाथी	गज	मापक
गिरीश	हिमालय	गिरिश	शिव
ग्रंथ	पुस्तक	ग्रंथि	गाँठ
चिर	पुराना	चीर	कपड़ा
चिता	लाश जलाने के लिए लकड़ियों का ढेर	चीता	बाघ की एक जाति
चूर	कण, चूर्ण	चूड़	चोटी, सिर
चतुष्पद	चौपाया, जानवर	चतुष्पथ	चौराहा
चार	चार संख्या, जासूस	चारु	सुन्दर
चर	नौकर, दूत, जासूस		
चूत	आम का पेड़	च्युत	गिरा हुआ, पतित
चक्रवात	बवण्डर	चक्रवाक	चकवा पक्षी
चाष	नीलकंठ	चास	खेत की जुताई
चरि	पशु	चरी	चरागाह
चसक	चस्का/लत	चषक	प्याला
चुकना	समाप्त होना	चूकना	समय पर न करना
जिला	मंडल	जीला	चमक
जवान	युवा	जव	वेग/जौ
छत्र	छाता	क्षत्र	क्षत्रिय
छात्र	विद्यार्थी	क्षात्र	क्षत्रिय-संबंधी
छिपना	अप्रकट होना	छीपना	मछली फँसाकर निकालना
जलज	कमल	जलद	बादल
जघन्य	गर्हित, शूद्र	जघन	नितम्ब
जगत	कुएँ का चौतरा	जगत्	संसार
जानु	घुटना	जानू	जाँघ
जूति	वेग	जूती	छोटा जूता
जाया	व्यर्थ	जाया	पत्नी
जोश	आवेश	जोष	आराम
झल	जलन/आँच	झल्ल	सनक
टुक	थोड़ा	टूक	टुकड़ा
टोटा	घाटा	टोंटा	बन्दूक का कारतूस

डीठ	दृष्टि	ढीठ	निडर
डोर	सूत	ढोर	मवेशी
तड़ाक	जल्दी	तड़ाग	तालाब
तरणि	सूर्य	तरणी	नाव
तरुणी	युवती		
तक्र	मटठा	तर्क	बहस
तरी	गीलापन	तरि	नाव
तरंग	लहर	तुरंग	घोड़ा
तनी	थोड़ा	तनि	बंधन
तब	उसके बाद	तव	तुम्हारा
तुला	तराजू	तूला	कपास
तप्त	गर्म	तृप्त	संतुष्ट
तार	धातु तंतु/टेलिग्राम	ताड़	एक पेड़
तोश	हिंसा	तोष	संतोष
दूत	सन्देशवाहक	द्यूत	जुआ
दारु	लकड़ी	दारू	शराब
द्विप	हाथी	द्वीप	टापू
दमन	दबाना	दामन	आँचल, छोर
दाँत	दशन	दात	दान, दाता
दशन	दाँत	दंशन	दाँत से काटना
दिवा	दिन	दीवा	दीया, दीपक
दंश	डंक, काट	दश	दश अंक
दार	पत्नी, भार्या	द्वार	दरवाजा
दिन	दिवस	दीन	गरीब
दायी	देनेवाला, जबाबदेह	दाई	नौकरानी
देव	देवता	दैव	भाग्य
द्रव	रस, पिघला हुआ	द्रव्य	पदार्थ
दरद्	पर्वत/किनारा	दरद	पीड़ा/दर्द
दीवा	दीपक	दिवा	दिन
दौर	चक्कर	दौड़	दौड़ना
दाई	धात्री/दासी	दायी	देनेवाला
धत	लत	धत्	दुत्कारना
दह	कुंड/तालाब	दाह	शोक/ज्वाला
धराधर	शेषनाग	धड़ाधड़	जल्दी से
धारि	झुण्ड	धारी	धारण करनेवाला
धूरा	धूल	धुरा	अक्ष
निहत	मरा हुआ	निहित	छिपा हुआ, संलग्न
नियत	निश्चित	नीयत	मंशा, इरादा
निश्छल	छलरहित	निश्चल	अटल
नान्दी	मंगलाचरण (नाटक का)	नंदी	शिव का बैल
निमित्त	हेतु	नमित	झुका हुआ
नीरज	कमल	नीरद	बादल
निर्झर	झरना	निर्जर	देवता
निशाकर	चन्द्रमा	निशाचर	राक्षस
नाई	तरह, समान	नाई	हजाम
नीड़	घोंसला, खोंता	नीर	पानी
नगर	शहर	नागर	चतुर व्यक्ति, शहरी

नशा	बेहोशी, मद	निशा	रात
नारी	स्त्री	नाड़ी	नब्ज
निसान	झंडा	निशान	चिह्न
निवृत्ति	लौटना	निवृति	मुक्ति/शांति
नित	प्रतिदिन	नीत	लाया हुआ
नियुत	लाख दस लाख	नियुक्त	बहाल किया गया
निहार	देखकर	नीहार	ओस-कण
नन्दी	शिव का बैल	नान्दी	मंगलाचरण
निर्विवाद	विवाद-रहित	निर्वाद	निन्दा
निष्कृष्ट	सारांश	निकृष्ट	निम्न स्तरीय
नीवार	जंगली धान	निवार	रोकना
नेती	मथानी की रस्सी	नेति	अनन्त
नमित	झुका हुआ	निमित्त	हेतु
परुष	कठोर	पुरुष	मर्द, नर
प्रदीप	दीपक	प्रतीप	उलटा, विशेष, काव्यालंकार
प्रसाद	कृपा, भोग	प्रासाद	महल
प्रणय	प्रेम	परिणय	विवाह
प्रबल	शक्तिशाली	प्रवर	श्रेष्ठ, गोत्र
परिणाम	नतीजा, फल	परिमाण	मात्रा
पास	नजदीक	पाश	बन्धन
पीक	पान आदि का थूक	पिक	कोयल
प्राकार	घेरा, चहारदीवारी	प्रकार	किस्म, तरह
परिताप	दुःख, सन्ताप	प्रताप	ऐश्वर्य, पराक्रम
पति	स्वामी	पत	सम्मान, सतीत्व
पांशु	धूलि, बाल	पशु	जानवर
परीक्षा	इम्तहान	परिक्षा	कीचड़
प्रतिषेध	निषेध, मनाही	प्रतिशोध	बदला
पूर	बाढ़, आधिक्य	पुर	नगर
पार्श्व	बगल	पाश	बन्धन
प्रहर	पहर (समय)	प्रहार	चोट, आघात
परवाह	चिन्ता	प्रवाह	बहाव (नदी का)
पट्ट	तख्ता, उल्टा	पट	कपड़ा
पानी	जल	पाणि	हाथ
प्रणाम	नमस्कार	प्रमाण	सबूत, नाप
पवन	हवा	पावन	पवित्र
पथ	रास्ता	पथ्य	आहार (रोगी के लिए)
पौत्र	पोता	पोत	जहाज
प्रण	प्रतिज्ञा	प्राण	जान
पन	संकल्प	पन्न	पड़ा हुआ
पर्यन्त	तक	पर्यंक	पलंग
पराग	पुष्पराज	पारग	पूरा जानकार
प्रकोट	परकोंटा	प्रकोष्ठ	कोठरी
परभृत्	कौआ	परभृत	कोयल
परिषद्	सभा	पार्षद	परिषद् के सदस्य
प्रदेश	प्रान्त	प्रद्वेष	शत्रुता
प्रस्तर	पत्थर	प्रस्तार	फैलाव
प्रवृद्ध	परा बढ़ा हुआ	प्रबुद्ध	सचेत/बुद्धिमान्

पत्ति	पैदल सिपाही	पत्ती	पत्ता
परमित	चरमसीमा	परिमित	मान/मर्यादा/तौल
प्रकृत	यथार्थ	प्राकृत	स्वाभाविक एक भाषा
प्रवाल	मूँगा	प्रवार	वस्त्र
फुट	अकेला, इकहरा	फूट	खरबूजा-जाति का फल
फण	साँप का फण	फन	कला, कारीगर
बलि	बलिदान	बली	वीर
बास	महक, गन्ध	वास	निवास
बहन	बहिन	वहन	ढोना
बल	ताकत	वल	मेघ
बन्दी	कैदी	वन्दी	भाट, चारण
बात	वचन	वात	हवा
बुरा	खराब	बूरा	शक्कर
बन	बनना, मजदूरी	वन	जंगल
बहु	बहुत	बहू	पुत्रवधू, ब्याही स्त्री
बार	दफा	वार	चोट, दिन
बान	आदत, चमक	बाण	तीर
व्रण	घाव	वर्ण	रंग, अक्षर
ब्राह्य	बाहरी	वाह्य	वहन के योग्य
बगुला	एक पक्षी	बगूला	बवंडर
बदन	शरीर	वदन	मुख/चेहरा
बाजु	बिना	बाजू	बाँह
बिना	अभाव	बीना	एक बाजा
बसन	कपड़ा	व्यसन	लत/बुरी आदत
बाई	वेश्या	बायीं	बायाँ का स्त्री रूप
बाला	लड़की	वाला	एक प्रत्यय
भंगि	लहर, टेढ़ापन	भंगी	मेहतर, भंग करनेवाला
भिड़	बरें	भीड़	जनसमूह
भित्ति	दीवार, आधार	भीत	डरा हुआ
भवन	महल	भुवन	संसार
भारतीय	भारत का	भारती	सरस्वती
भोर	सबेरा	विभोर	मग्न
मनुज	मनुष्य	मनोज	कामदेव
मल	गन्दगी	मल्ल	पहलवान, योद्धा
मेघ	बादल	मेध	यज्ञ
मांस	गोश्त	मास	महीना
मूल	जड़	मूल्य	कीमत
मद	आनंद	मद्य	शराब
मणि	एक रत्न	मणी	साँप
मरीचि	किरण	मरीची	सूर्य, चन्द्र
मनुजात	मानव-उत्पन्न	मनुजाद	मानव-भक्षी
मौलि	चोटी/मस्तक	मौली	जिसके सिर पर मुकुट हो
मत	नहीं	मत्त	मस्त/धुत्त
रंक	गरीब	रंग	वर्ण
रग	नस	राग	लय
रत	लीन	रति	कामदेव की पत्नी, प्रेम
रोचक	रुचनेवाला	रेचक	दस्तावर

रद	दाँत	रद्द	खराब
राज	राजा/प्रान्त	राज	रहस्य
रार	झगड़ा	राँड़	विधवा
राइ	सरदार	राई	एक तिलहन
रोशन	प्रकट/प्रदीप्त	रोषण	कसौटी/पारा
लवण	नमक	लवन	खेती की कटाई
लुटना	लूटा जाना, बरबाद होना	लूटना	लूट लेना
लक्ष्य	उद्देश्य	लक्ष	लाख
लाश	शव	लास्य	प्रेमभाव सूचक
वित्त	धन	वृत्त	गोलाकार, छन्द
वाद	तर्क, विचार	वाद्य	बाजा
वस्तु	चीज	वास्तु	मकान, इमारत
व्यंग	विकलांग	व्यंग्य	ताना, उपालम्भ
वसन	कपड़ा	व्यसन	बुरी आदत
वासना	कामना	बासना	सुगंधित करना
व्यंग	विकलांग	व्यंग्य	कटाक्ष/ताना
वरद	वर देनेवाला	विरद	यश
विधायक	रचनेवाला	विधेयक	विधान/कानून
विभात	प्रभात	विभाति	शोभा/सुन्दरता
विराट्	बहुत बड़ा	विराट	मत्स्य जनपद/एक छंद
विस्मृत	भूला हुआ	विस्मित	आश्चर्य में पड़ा
बिपिन	जंगल	विपन्न	विपत्तिग्रस्त
विभीत	डरा हुआ	विभीति	डर
विस्तर	विस्तृत	बिस्तर	बिछावन
वरण	चुनना	वरन्	बल्कि
शुल्क	फीस, टैक्स	शुक्ल	उजला
शूर	वीर	सुर	देवता, लय
शम	संयम, इन्द्रियनिग्रह	सम	समान
शर्व	शिव	सर्व	सब
शप्त	शाप पाया हुआ	सप्त	सात
शहर	नगर	सहर	सबेरा
शाला	घर, मकान	साला	पति का भाई
शीशा	काँच	सीसा	एक धातु
श्याम	श्रीकृष्ण, काला	स्याम	एशिया का एक देश
शती	सैकड़ा	सती	पतिव्रता स्त्री
शय्या	बिछावन	सज्जा	सजावट
शान	इज्जत, तड़क-भड़क	शाण	धार तेज करने का पत्थर
शराव	मिट्टी का प्याला	शराब	मदिरा
शब	रात	शव	लाश
शूक	जौ	शुक	सुग्गा
शिखर	चोटी	शेखर	सिर
शास्त्र	सैद्धान्तिक विषय	शस्त्र	हथियार
शर	बाण	सर	तालाब/महाशय
शकल	टुकड़ा	शक्ल	चेहरा
शकृत	मल	सकृत	एकबार
शर्म	लाज	श्रम	मेहनत
शान्त	शन्तियुक्त	सान्त	अन्तवाला